

वङ्गला s. वङ्गला.
 वैङ्ग m. N. eines Dämons RV. 1, 33, 8.
 वङ्ग m. ein best. Baum Kauç. 7.
 वच्, विवक्ति red. (Schol. zu P. 2, 4, 76. 7, 4, 78), विवक्ति RV. 1, 167, 7, 3, 37, 4, 7, 67, 1. विवक्तन; später वक्ति (परिभाषणो) Dhātūp. 24, 55. Vop. 8, 91. zu belegen nur der sg. des praes.: वक्ति, वक्ति, वक्ति; Siddh. K. 134, a, 11. fg. werden noch वक्तस्, वग्धि, वच्यात् und उच्यात् aufgeführt. perf. उवाच (प्र उवाच RV. 1, 67, 8), उवक्य, ऊचिम, ऊचुम् P. 6, 1, 15, 17. Vop. 8, 124, 9, 25. ऊचे Vop. 9, 56. ऊचिषे (प्र वक्तैः RV. 7, 100, 6), ऊचिवंस्*); aor. अवाचत् P. 3, 1, 52. 7, 4, 20. Vop. 8, 91. 125. 9, 56. वोचसि Buäg. P. 9, 14, 12. वोचन्ति 3, 14, 21. प्रवोचन्त् partic. 4, 6, 37. वोचाम, वोचम्, वोचेम u. s. w., वोच, वोचत्, वोचत, अवोचत, अवोचयाम्, वोचे, वोचत, वोचय, वोचमहि; वद्यति Kār. 2 aus Siddh. K. zu P. 7, 2, 10. वद्यते, अवद्यत् Nir. 3, 7. वक्ता (s. वक्त्र); infin. वक्तुम्, वक्तवे RV. 7, 31, 3. वक्तुम् Çat. Br. 1, 3, 2, 10. प्रवोचि; उक्ता, उच्य MBh. 8, 4874. pass. उच्यते, उच्यते P. 3, 4, 96, Sch. अवाचि, उक्ता. 1) sagen, sprechen; nennen; hersagen, ansagen, verkünden: आस्यं ज्ञानतो नाम विद्विवक्तन RV. 1, 156, 3. 166, 1. सत्यमूर्चुरी एवा हि चक्रुः 4, 33, 6. यादमेव दर्शे तादृगुच्यते 5, 44, 6. पितरं रुद्रं वौचत 32, 16. 6, 33, 4. वन्यतीवेदा गनीगति कर्णम् 73, 3, 7, 82, 2. 87, 4. मा त्वा वौचन्नराधुसं जनासः AV. 5, 11, 7, 7, 83, 2. प्रात्रा यत्र मधुपुडुच्यते वृक्षत् wo lauter Ruf erschallt RV. 10, 64, 15. 11, 6. म-
 ल्लम् 1, 40, 6. देवतुष्टायते भामिने गीः 77, 1. नमः 31, 14. हृतम् 4, 3, 11. स्तोत्रम् 6, 34, 5. 7, 68, 4. 9, 97, 7. यडुवक्यन्तं त्रिह्वयो AV. 1, 10, 3. तं ह्येतम् (उद्गीथम्) — उद्गशापित्त्यायोक्ता Kuānd. Up. 1, 9, 3. mit doppeltem acc.: अग्निं महामवोचाम सुवृक्तिम् RV. 10, 80, 7. इति मा भगवानवोचत् hat mir gesagt Kuānd. Up. 1, 11, 4. ब्रूयादिति वोचैरिति वा Çat. Br. 4, 3, 10. 11, 3, 2. दुर्गे वै ह्यवोचयाः du hast dich genannt oder von dir gesagt TS. 6, 2, 4, 2. 3. अथ नु किमनुशिष्टि उवाचयाः wie konntest du dich für unterrichtet ausgeben? Kuānd. Up. 5, 3, 4. — वैराग्यादिव वक्ति Spr. 3890. वक्ति 3739. वक्ति सामर्थम् 1873. Kathās. 4, 77. Z. d. d. m. G. 14, 370, 13. वागुवाचशरीरिणी R. 1, 1, 81. Vet. in LA. (III) 9, 13. परस्परमयोचतुः MBh. 1, 7725. इत्युचे Prah. 36, 7. Buäg. P. 9, 14, 11. इत्युचिरे Rāga-Tar. 1, 166. LA. (III) 90, 20. इत्युचिवान् Kathās. 18, 55. 27, 30. अ-
 वोचम् R. 4, 9, 13. Prah. 103, 19. मैवं वोचः nach इति चेत् so sollst du nicht reden so v. a. eine solche Behauptung wäre unrichtig Sarvadarçanas. 7, 15. 103, 9. 127, 7. 164, 3. इत्यवोचत Kathās. 32, 26. वद्यामि R. 1, 1, 9. Çāk. 22, 21. वद्ये MBh. 13, 1119. R. 1, 64, 18. किमथ वोच्यते pass. impers. Kathās. 18, 308. अवोचि desgl. Daçak. 10, 2. वक्तुम् AK. 3, 1, 38. वक्तुकाम Suçr. 1, 113, 20. वक्तुमनस् Pañkāt. 77, 2. उक्तवत् MBh. 3, 2726. Kathās. 18, 272. 349. 40, 6. पुनरुवाच antwortete Hit. 8, 6. — अनुकूलं तथा वचि MBh. 3, 14025. सत्यं जना वचि Spr. 3127. Kathās. 18, 373. वक्ति न स्वे-
 च्क्या किंचित् Spr. 410. मास्मत्सकाशे परुषाण्यवोचः MBh. 3, 15689. प्रियाणि वक्ति Varāh. Brh. S. 78, 5. उक्तान्तानि M. 4, 145. देशधर्मान् u. s. w.

* dat. ऊचुषे glauben wir zu उच् ziehen zu müssen nicht bloss in der dort bereits angeführten, sondern auch in folgender Stelle: तद्व-
 चुषे मानुषेमा युगानि कीर्तस्यं मधवा नाम बिभ्रत् welchen der dazu Ge-
 wöhnte d. h. Geübte preisen soll durch die Generationen hin RV. 1, 103, 4.

शास्त्रे ऽस्मिन्नुक्तवान्मुः 1, 118. fg. 9, 1. MBh. 2, 1769. R. 2, 30, 4. 90, 16. Çāk. 39. Rāga-Tar. 3, 62. वङ्गना मतं वद्ये Varāh. Brh. S. 9, 7, 11, 28. 21, 5. MBh. 14, 1559. R. 1, 38, 19. Ragh. 1, 9. Buäg. P. 1, 7, 12. 3, 28, 1. Pañkāt. 37, 25. 77, 14. उवाच वचः Ragh. 3, 23. क एवं वद्यते वाक्यम् R. 5, 64, 19. अनीतिर्गृह्यप्रज्ञस्य विस्तरेण त्रयोच्यताम् 1, 8, 29. Hit. 43, 14. यो वा अङ्गिरसां सन्ने द्वितीयमकृत्तुचिवान् berichten über Buäg. P. 9, 3, 1. कयो वक्तुं प्रचक्रमे Kathās. 21, 53. अः पुण्ययोगं नियतं वद्यते verkünden R. Gorr. 2, 3, 21. ऐन्द्रो दिशि शात्तायो विरुचन्वृषसंश्रितागमं वक्ति (ein Vogel) Varāh. Brh. S. 87, 1. न तु वक्तुं समर्थो ऽहं स्वयमेवात्मनो गुणान् R. 4, 7, 5. तासां त्रयं भारत नोत शक्यम् — वक्तुम् beschreiben, in Worte fassen MBh. 3, 7207. वच्यत्र तूलिकम् erzählen von Kathās. 61, 28. व-
 क्ति न च प्रश्नमेकमपि पृष्ठः beantworten Varāh. Brh. S. 2, 1. संयोगादि-
 द्विरुच्यते wird zwei Mal ausgesprochen d. i. verdoppelt VS. Prāt. 4, 97. पुनरुच्यते wird wiederholt Kull. zu M. 4, 32. pass. genannt werden, heissen, gelten für: एतद्वादशासकं देवानां युगमुच्यते M. 1, 71. 77. 79. 86. Buäg. 2, 25. P. 4, 2, 10, Sch. वात्ताशांतुच्यते बुधिः M. 3, 109. MBh. 3, 16670. Çāk. 67, 23. P. 6, 2, 66, Sch. statt des nom. auch der loc.: क्षेत्रे वारुमुच्यते Trik. 2, 9, 2. gelten: एयान्यतमाभावे दिव्यान्यतममुच्यते Jāg. 2, 22. — erzählen von, mit abl. st. acc.: इक्षितुः शैलराजस्य ज्येष्ठया व-
 क्तुमर्हसि R. 1, 37, 2. — ह्यकारं ब्राह्मणस्योक्ता वकारं च गरीयसः sagen zu M. 11, 204. धर्मस्य परमं गुह्यं ममेदं सर्वमुक्तवान् hat mir verkündet 12, 117, 1. 2. यानि यानि च कर्माणि तस्य वद्यामहे वयम् angeben MBh. 4, 18. Rāga-Tar. 4, 344. संनेपेषैव ते वद्ये यन्मो पृच्छसि Hariv. 876. सा सु-
 षयि तदवोचत Kathās. 19, 34. — स तानुवाच der sprach zu ihnen M. 3, 3. MBh. 2, 505. 3, 2491. 5, 5956. Hariv. 8933. R. 1, 4, 14. 2, 40, 17. 43. Ragh. 2, 59. 3, 43. Çāk. 13, 22. 30, 13. वक्तुं धीरस्तनितवचनैर्मानिनां प्र-
 क्रमयोः Megh. 96. Spr. 632. Varāh. Brh. S. 43, 1. Kathās. 18, 206. 23, 29. 26, 181. 43, 98. 46, 203. Verz. d. Oxf. H. 233, a, 2. Pañkāt. 5, 1. म-
 दचनाडुच्यतां सारथिः । सर्वोपासनं रथनुपस्थापयति Çāk. 28, 18. 59, 15. Vikr. 81, 5. acc. mit प्रति statt des einfachen acc.: कयापि संनिहितप्र-
 च्क्रन्तकामुकं प्रत्युच्यते Sāh. D. 20, 15. तं प्रत्युक्तवती Pañkāt. 186, 1. —
 इमूचुर्महत्मानम् sprachen dieses zu — M. 5, 1. Buäg. 2, 1. MBh. 1, 3901. 5964. 3, 2142. 2243. 2827. 3, 6082. 7394. 7, 6398. R. 1, 1, 89. 60, 23. R. Gorr. 2, 37, 19. Ragh. 11, 91. Pañkāt. ed. ord. 2, 5. तेनोच्यमानः — हेतु-
 मद्यचः R. 3, 33, 20. — उक्त a) gesagt, gesprochen, besprochen, erwähnt AK. 3, 2, 57. ययोक्तं पुरस्तात् Āçv. Grh. 1, 23, 1. तडुक्तन् Kārt. Çr. 4, 3, 11. उक्तं च यतः Pañkāt. 32, 12. 68, 1. Vet. in LA. (III) 2, 11. Kathās. 4, 65. अनुप्रहरेत्युक्ते Kārt. Çr. 5, 9, 29. शयोरुक्ते Çāñk. Çr. 5, 20, 7. एवमुक्ते नैषधेन MBh. 3, 2137. Buäg. P. 6, 1, 37. अनुक्तेनापि auch wenn es nicht gesagt worden wäre R. 3, 14, 21. अर्थोक्तं Vikr. 29, 19. आधेडितं द्विस्त्रि-
 रुक्तम् AK. 1, 1, 5, 12. अनुतं नोक्तपूर्वं मे R. 1, 58, 19. 4, 6, 22. एतदुक्तं द्वि-
 ज्ञानां भद्र्याभद्रयमशेषतः M. 3, 26. वेदोक्तमायुः 1, 84. Kārt. Çr. 18, 6, 7. भस्मनादिर्मदा चैव शुद्धिरुक्ता मनोभिभिः angegeben, gelehrt M. 5, 111. उक्तविप्रेषु erwähnt, genannt 3, 111. AK. 1, 2, 3, 43. Varāh. Brh. S. 48, 58. P. 1, 1, 32, Sch. तस्मान्मेद्यतमं तस्य मुखमुक्तं स्वयंभुवा erklärt für M. 1, 92. 2, 230. उक्ता भवति यः पूर्वं गुणवानिति संसदि Spr. 1834, v. 1. अत्र सारमेय उक्तः genannt Varāh. Brh. S. 88, 9. उक्ता ऽलंकारणी bespro-
 chen Kathās. 61, 28. रक्तोत्पलेन राजा मन्वी नीलोत्पलेनोक्तः gemeint